अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2021) दिनांक : 18.12.2021

समय सीमा : 3 घंटा द्वितीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

तेरापंथ का इतिहास–70

प्र. 1 किन्हीं पन्द्रह प्रश्नों का उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 15

आचार्य रायचन्द जी (किन्हीं पांच प्रश्नों का उत्तर दें)

(क) आप निःसंकोच भाव से मुनि रायचन्द जी को युवाचार्य पद प्रदान करें। बाई और दाई आंख में कोई फर्क नहीं है। यह कथन किसने किससे कहे?

(ख) मुनि रायचन्द जी के प्रथम शिष्य कौन बने और यह सौभाग्य उन्हें कब व कहां प्राप्त हुआ?

(ग) शाह चतरोजी के पुत्र-पुत्रियों के नाम लिखें।

(घ) 'जो तुष' का अर्थ क्या है?

(ङ) 'आज रो दिहाड़ोजी भलाई सूरज उगियो' गीतिका के रचनाकार कौन थे और उन्होंने इसका संगान कहां किया?

(च) मुनि दीप जी ने मुनि हेमराज जी के सान्निध्य में कहां और कितने दिन का तप किया?

(छ) आचार्य रायचन्द जी ने संघ में छः विगय वर्जन का नियम क्यों बनाया?

आचार्य जीतमल जी (किन्हीं दस प्रश्नों का उत्तर दें)

(ज) युवाचार्य जय को पुनः बीकानेर चातुर्मास कराने की प्रार्थना किसने की? और ऋषिराय ने कल्प के लिए किस दीक्षा-वृद्ध को उनके साथ रखा?

(झ) नाथद्वारा में यति नन्दरामजी की प्रार्थना पर मुनि जय ने कौन-कौन से ग्रन्थ लिए?

(ञ) मुनि जय को भगवती-लेखन का कार्य स्थगित क्यों करना पड़ा और उसे पूर्ण करने के लिए उन्होंने किसे प्रेरित किया?

(ट) आचार्य रायचन्द जी ने मुनि जीतमल जी को अग्रणी बनाया तब कौन-कौन से सन्तों को उनके साथ दिया?

(ठ) आचार्य श्री के साथ साध्वियों के चातुर्मास का क्रम कब व कहां से प्रारम्भ हुआ?

(ड) जयाचार्य ने 'गाथा' शब्द को किस अर्थ में प्रयुक्त किया है?

(ढ) जयाचार्य ने संवत 1910 नाथद्वारा चातुर्मास में 'आहार संविभाग' की पद्धति में क्या परिवर्तन किया?

(ण) जोधपुर नरेश तख्त सिंह जी ने किसके सत्परामर्श से जयाचार्य की गिरफ्तारी का वारंट निरस्त किया और नया आदेश लिखकर किसके नेतृत्व में भेजा?

(त) जयाचार्य की गीतिकाओं के अनुसार आचार्य भारमल जी और मुनि खेतसीजी कौन-कौन से देवलोक में विराजमान हैं?

(थ) जयाचार्य ने 'व्याकरण और कोश' से कौन से ग्रन्थ कंठस्थ किए?

(द) जयाचार्य रचित तत्व-चर्चात्मक पद्य ग्रन्थ कौन-कौन से हैं? नाम लिखें?

प्र. 2 निम्न चार प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 10

आचार्य रायचन्द जी (कोई दो प्रश्नों का उत्तर दें)

(क) संक्षेप में स्पष्ट करें कि मुनि रायचन्द जी ने संयम ग्रहण करने के कुछ समय पश्चात ही अच्छा आगम ज्ञान प्राप्त कर लिया था।

(ख) संक्षेप में घटना प्रसंग से सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु मुनि रायचन्द की बात का बड़ा आदर करते थे।

(ग) मुनि रायचन्द जी व उनकी माता कुशालांजी के दीक्षोत्सव का संक्षेप में वर्णन करें।

आचार्य जीतमल जी (कोई दो प्रश्नों का उत्तर दें)

(घ) मुनि गुलाब जीने श्रावक भोपजी से कहा–'किसी साहूकार के घर में आटा हो तो छिपाने के बाद भी एक न एक दिन तो सामने आ ही जाता है।' तब भोजपी ने श्रावकत्व का परिचय देते हुए क्या कहा?

(ङ) ऋषिराय की मालव यात्रा में मुनि जीतमल जी ने कहां-कहां व किस-किस के साथ शास्त्रार्थ करके संघ की गौरव वृद्धि की?

(च) जयाचार्य ने आहार संविभाग में 'टहूका' पद्धति को क्यों और कैसे चालू किया?

प्र. 3 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दो से तीन वाक्यों में दीजिए– 10

(क) सिद्ध करें कि ऋषिराय के शासनकाल में संघ में तपस्या की बहुत वृद्धि हुई।

(ख) आचार्य रायचन्द जी की 'कच्छ' यात्रा का वर्णन करें।

(ग) 'ऋषिराय की प्रकृति में अन्य अनेक भावों के साथ सरलता की भी विचित्र पुट थी। इस प्रवृत्ति से कई बार उन्हें ऊहापोह का पात्र भी बनना पड़ा।' घटना प्रसंग से स्पष्ट करें।

प्र. 4 किसी एक विषय पर 100 से 150 शब्दों में टिप्पणी लिखें– 5

(क) कपड़ा और गुरु धारणा।

(ख) समुच्चय के कार्य।

(ग) चमत्कारी स्मारक।

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर विस्तार से दें– 30

(क) सिद्ध करें कि जयाचार्य एक कुशल आगम-व्याख्याकार थे।

(ख) विभिन्न घटना प्रसंगों से स्पष्ट करें कि जयाचार्य का अन्तर्जगत ज्ञेय-अज्ञेय के विचित्र ताने-बाने से बुना हुआ था।

(ग) जयाचार्य के जीवन के संध्या काल का वर्णन करें।

तेरापंथ प्रबोध–30

प्र. 6 निम्न में से किन्हीं दो पद्यों को भावार्थ सहित लिखें– 12

(क) ''हमारे भाग्य बड़े बलवान'' गीत वाला पद्य।

(ख) ''स्वामी भीखणजी रो नाम आठूं याम ध्यावां'' गीत वाला पद्य।

(ग) ''जय हो कल्लू-सुत जग में विश्रुत'' गीत वाला पद्य।

(घ) ''बदले युग की धारा'' गीत वाला पद्य।

प्र. 7 कोई तीन पद्यों की पूर्ति करें– 9

(क) श्री सरदार.....श्रृंगार हो।।

(ख) अपणै पथ.....फुकार हो।।

(ग) जनम लियो.....गिगनार हो।।

(घ) पुण्य बन्ध.....प्रकार हो।।

प्र. 8 कोई तीन पद्य लिखें– 9

(क) ''आगम संपादन'' वाला पद्य।

(ख) ''मघ-पटधारी माणक'' वाला पद्य।

(ग) ''बन्धु त्रिपुटी'' वाला पद्य।

(घ) ''सन्त-सतियो की संख्या'' वाला पद्य।